की ओर दिलाना चाहता हूं । महोदया, बिहार राज्य के जहानाबाद संसदीय क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजना केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत की गई थी जिसका नाम हमीदनगर पुनपुन सिंचाई परियोजना रखा गया था । महोदया, केंद्र सरकार की स्वीकृति के बाद भी अभी तक कोई निर्माण कार्य शुरू नही किया गया है, जिसके कारण उस क्षेत्र के कृषि सिंचाई में कठिनाई का सामना किसानो को हर फसल के समय करना पड़ता है । जब भी सूखे का असर फसलो पर होता है तब हजारों गांव के किसान इस परियोजना को याद करते हैं कि काश अगर यह निर्माण हो जाता तब हमारी कृषि कभी भी सूखे की चपेट में नहीं आती । अतः मैं केंद्र सरकार से मांग करता हूं कि यथाशीघ्र हमीदनगर पुनपुन सिंचाई परियोजना का निर्माण कराने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएं ताकि किसानो को समय पर उस महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजना का समुचित लाभ मिले जिससे कि कृषि उत्पादनों पर सूखे का असर नहीं दिखे ।

डा. कुमकुम राय (बिहार) : महोदया, इस परियोजना को शीघ्र शुरू करवाया जाए वैसे ही बिहार के साथ बहुत सौतेला व्यवहार होता है । इसकी पहले ही स्वीकृति मिल चुकी है फिर किन कारणों से प्रोजेक्ट पूरा नहीं हुआ है । मैं अपने आपको इससे संबद्ध करती हूं ।

Death of children in western Uttar Pradesh and Uttaranchal due to mysterious disease

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, उ.प्र. के पश्चिमी जिलों एवं उत्तरांचल के कुछ जनपदो में अज्ञात व असमय फैली बीमारी ने महामारी का रूप ले लिया है । जिसके सर्वाधिक शिकार दुधमुंहे बच्चो से लेकर दस वर्ष के बालक हैं । पिछले दो मास से फैली इस रहस्यमय बीमारी की अभी तक न तो पहचान हुई है और न ही इसके लिए कोई उपयुक्त औषधि ही उपलब्ध हो पाई है । बीमारी के लक्षण डेंगू, मस्तिष्क ज्वर, मलेरिया जैसे मालूम पड़ते हैं । राष्ट्रीय संचार रोग संस्थान के अलावा राज्य सरकार के स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी इस काम में लगे हुए हैं किन्तु इस प्रकोप की रोकथाम का कोई समुचित उपाय नहीं हो सका है ।

सर्वाधिक शिकार उ.प्र. के सहारनपुर जनपद के ग्रामीण इलाको के लोग हुए हैं । पिछले डेढ़, दो महीनो से इसका प्रकोप जारी है । अब तक सौ से अधिक बच्चों की मौत होने की सूचना है । 12 अक्तूबर से 24 नवम्बर के बीच में दिमागी बुखार से पीड़ित काफी बच्चे अस्पताल में आए । इनमें से 90 फीसदी बच्चों की मौत हो चुकी है । यह तो हाल है सहारनपुर का । इसी प्रकार मुजफ्फरनगर, बागपत, बिजनौर, मेरठ, गाजियाबाद जनपदो में प्रकोप जारी है, उत्तरांचल का हरिद्वार भी इससे अछूता नहीं है ।

स्थानीय स्तर पर इस वायरस की जांच व उपचार सुविधा उपलब्ध न होने के कारण यह गम्भीर रूप ले रहा है। बीमारी से बचाव के आवश्यक कदम उठाए गए हैं लेकिन अभी तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सका है। मरने वालो मे शहरी एवं ग्रामीण दोनो क्षेत्रों के बच्चे शामिल हैं । इस बीमारी के सर्वाधिक शिकार बच्चे हैं । देश के नौनिहाल काल के ग्रास में समा रहे हैं । बुखार से पीड़ित ये बच्चे अस्पताल मे दाखिल होते हैं किन्तु बाद में वे दम तोड़ रहे

हैं । स्थिति गंभीर बनी हुई है। मेरा केंद्र सरकार से आग्रह है कि इस संबंध में अविलंब प्रभावी कार्यवाही करे ।

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तरांचल) : मैं इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री रमा शंकर कौशिक (उत्तर प्रदेश): महोदया, मैं इससे अपने को सम्बद्ध करता हूं। लेकिन आपकी मारफत मैं सरकार से चाहूंगा कि सरकार यहां से अपनी टीम तुरंत सहारनपुर भेजे। बहुत बुरी हालत है। बिल्कुल महामारी की तरह बच्चों में फैल रही है। सरकार रिस्पांड करे।

THE DEPUTY CHAIRMAN: I want the hon. Minister of Parliamentary Affairs to convey to the Health Minister and ask him to find out the cause for this mysterious disease. They should be somewhat more vigilant, and some research is needed to find out as to what is happening. This is an alarming news. All of us have read about it in the newspapers. Since the State Government will not be having any facility of that grade to find out the reason, the Environment Ministry and the Health Ministry should jointly find out whether there are some mosquitoes or parasites around that area, because it is happening only in one district.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT AND POVERTY ALLEVIATION (SHRI O.RAJAGOPAL): Yes, Madam, I will convey your feelings to the Health Minister.

Implementation of Disabilities Act, 1995

SHRI P.G.NARAYANAN (Tamil Nadu): Madam Deputy Chairperson, today, December 3, is celebrated as World Disabled Day.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Not 'celebrated'; it is 'observed'. We don't celebrate disability. I am sorry; but please correct it. This is how it should be.

SHRI P.G.NARAYANAN: Yes, Madam, I will correct it. Our country is having 5-6% disabled people. The Government has enacted the Persons with Disabilities Act in 1995. Employment is the tool for empowerment. But the recruitment of 3% reservation for the disabled is not all being observed. So, the Government should take steps on a war-footing to implement the